महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए.. (प्रीवियस एवं फाईनल) पंजाबी

(सत्र 2022-23, 2023-24)

नोट-यह सलेबस नियमित एवं स्वयंपाठी (दोनों) विद्यार्थियों के लिए।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. (प्रीवियस) पंजाबी- प्रथम प्रश्न पत्र

पेपर- पंजाबी साहित दा इतिहास

नोट- यह सलेबस नियमित एवं स्वयंपाठी (दोनों) विद्यार्थियों के लिए।

कुल पूर्णांक -100, न्यूनतम अंक 36, समय - अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी भाषा में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन व अध्यापन का माध्यम पंजाबी में ही हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का होगा।
4. सैक्शन (A) में समस्त सलेबस में से कुल 10 अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।
5. सैक्शन (B) में समस्त सलेबस में से कुल 8 लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 5 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।
6. सैक्शन (C) में समस्त सलेबस में से कुल 4 निबंधात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 2 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

पाठ्यक्रम

यूनिट-1

पंजाबी साहित दी काल वंड, पूर्व नानक काल दीयां साहितक धारावां-नाथ जोगी साहित,
सूफी साहित, बीर रसी साहित अते लोक साहित।

यूनिट-2 व 3

1500 ई. तो 1850 ई. तक दे पंजाबी साहित दीयां प्रसिद्ध साहितक धारावां-गुरमति कावि,
सूफी कावि धारा, किस्सा कावि-धारा, बीर रसी कावि धारा, वारतक साहित दी परम्परा,
गुरु ग्रंथ साहिब दी इतिहासिक, सामाजिक और साहितक विशेषता

यूनिट-4 व 5

सक्रांती काल विच उपजीयां सामाजिक, सुधारक लहरां, इसाई मिशनरीयां दी पंजाबी साहित नूं देन,
पंजाबी साहित दी इतिहासकारी। आधुनिक पंजाबी कविता दा विकास अते प्रमुख प्रवृतियां,
पंजाबी गलप (नावल अते कहानी) दा इतिहास, पंजाबी नाटक अते इकांगी दा इतिहास,
आधुनिक पंजाबी वारतक दा अधियैन, पंजाबी आलोचना दा इतिहास ।

सहायक पुस्तके :-

1. पंजाबी साहित दा इतिहास (भाग 1,2,3) - पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़
2. पंजाबी साहित दा इतिहास- गि. हीरा सिंह दरद
3. पंजाबी साहित दी उत्पती ते विकास- किरपाल सिंह कसेल
4. पंजाबी साहित दा आलोचनात्मक इतिहास- जीत सिंह शीतल
5. पंजाबी साहित दा इतिहास (भाग 1,2,3)- पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. (प्रीवियस) पंजाबी- द्वितीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम - मधकाली पंजाबी कविता

नोट- यह सलेबस नियमित एवं स्वयंपाठी (दोनों) विद्यार्थियों के लिए।

कुल पूर्णांक -100, न्यूनतम अंक 36, समय - अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी भाषा में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन व अध्यापन का माध्यम पंजाबी में ही हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का होगा।
4. सैक्शन (A) में समस्त सलेबस में से कुल 10 अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।
5. सैक्शन (B) में समस्त सलेबस में से कुल 8 लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 5 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।
6. सैक्शन (C) में समस्त सलेबस में से कुल 4 निबंधात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 2 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

पाठ्यक्रम

यूनिट-1

गुरमति, सूफी ते किस्सा कावि दा कावि शास्त्र ।

यूनिट-2

जपुजी साबिह सटीक : प्रो. साहिब सिंह

यूनिट-3

शेख फरीद : शब्द ते सलोक

यूनिट-4

बुल्ले शाह : काफीयां

यूनिट-5

दमोदर, किस्सा, हीर रांझा।

सहायक पुस्तके :-

1. पंजाबी सूफी कावि प्रवचन - डॉ. जगजीत सिंह
2. फरीद र्दशन - दीवान सिंह
3. शेख फरीद अंक - खोज पत्रिका
4. अधियैन ते अधियापन - डा. हरिभजन सिंह
5. गुरबाणी : धर्म ते साहित - डा. बलजीत कौर
6. गुरमति कावि ते प्रसंग - मनजीत कौर
7. दमोदर, किस्सा, हीर रांझा - डा. जगतार

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. (प्रीवियस) पंजाबी- तृतीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम - साहित सिधांत ते पंजाबी आलोचना

नोट- यह सलेबस नियमित एवं स्वयंपाठी (दोनों) विद्यार्थियों के लिए।

कुल पूर्णांक -100, न्यूनतम अंक 36, समय - अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी भाषा में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन व अध्यापन का माध्यम पंजाबी में ही हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का होगा।
4. सैक्शन (A) में समस्त सलेबस में से कुल 10 अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।
5. सैक्शन (B) में समस्त सलेबस में से कुल 8 लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 5 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।
6. सैक्शन (C) में समस्त सलेबस में से कुल 4 निबंधात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 2 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

पाठ्यक्रम

यूनिट-1

साहित दी प्रकृति ते प्रयोजन, साहित दे वाद (रहसवाद, रोमांसवाद एवं प्रगतिवाद)।

यूनिट-2

यूनानी - रोमन आलोचना, (अरस्तु ते लौजाईन्स) अनुकरन, विरेचन, त्रास्दी ते उदात दे विशेष हवाले नाल।

यूनिट-3

भारती आलोचना (रस, धुनी, अलंकार), कावि दी आत्मा, साधारनीकरण, शब्द-शक्तियाँ।

यूनिट-4

पंजाबी आलोचना: प्रमुख आलोचक- मोहन सिंह दीवाना, संतसिंह सेखों, नजम हुसैन सईयद, अतर सिंह, हरिभजन सिंह

यूनिट-5

रूसी रूपवाद अते अमरीकी नव-आलोचना, रूप दा संकल्प, कावि भाषा, अजनबीकरण।

मार्क्सवादी आलोचना: वस्तु-रूप दा संकल्प, समाजवादी यथार्थवाद, साहित ते विचारधारा दे हवाले नाल।

सहायक पुस्तकें :-

1. समीखिया शास्त्र - डा. रणधीर सिंह
2. भारती कावि शास्त्र - प्रेम प्रकाश सिंह
3. पंजाबी आलोचनाः सिधांत ते विहार - हरिभजन सिंह भाटीया
4. साहित दे रूप - डा. रतन सिंह जग्गी
5. साहितकवाद अंक (दो भाग) - खोज प्रत्रिका
6. पाठ उत्तर पाठ - डा. जगजीत सिंह ।
7. अमरीका दी नवीन आलोचना प्रणाली - डा. रविन्द्र रवि 8. रूपकी - डा. हरिभजन सिंह

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. (प्रीवियस) पंजाबी- चतुर्थ प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम - पंजाबी नावल ते कहानी दा अधियैन

नोट- यह सलेबस नियमित एवं स्वयंपाठी (दोनों) विद्यार्थियों के लिए।

कुल पूर्णांक -100, न्यूनतम अंक 36, समय - अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी भाषा में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन व अध्यापन का माध्यम पंजाबी में ही हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का होगा।
4. सैक्शन (A) में समस्त सलेबस में से कुल 10 अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।
5. सैक्शन (B) में समस्त सलेबस में से कुल 8 लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 5 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।
6. सैक्शन (C) में समस्त सलेबस में से कुल 4 निबंधात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 2 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

पाठ्यक्रम

यूनिट-1

ऐहु हमारा जीवना (नावल) - दलीप कौर टिवाणा

यूनिट-2

हाणी (नावल) - जसवंत सिंह कंवल

यूनिट-3

मड़ी दा दीवा (नावल) - गुरदियाल सिंह

यूनिट-4

नवे लोक (कहानी संग्रह) - कुलवंत सिंह विर्क

यूनिट-5

शाने पंजाब (कहानी संग्रह) - रघवीर ढड सहायक

सहायक पुस्तकें :-

1. पंजाबी नावल - ज.स. राही
2. कुलवंत सिंह विर्क जीवन ते रचना - टी.आर.विनोद
3. ऐहु हमारा जीवणा एक अधियैन - डा. सुखविंदर सिंह
4. गुरदियाल सिंह दा नावल जगत - पुरदमन सिंह बेदी
5. गलप चिंतन - सुखविंदर रंधावा
6. कथा चिंतन - सुखविंदर रंधावा

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. (फाईनल) पंजाबी- प्रथम प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम - आधुनिक पंजाबी कविता

नोट- यह सलेबस नियमित एवं स्वयंपाठी (दोनों) विद्यार्थियों के लिए।

कुल पूर्णांक -100, न्यूनतम अंक 36, समय - अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी भाषा में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन व अध्यापन का माध्यम पंजाबी में ही हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का होगा।
4. सैक्शन (A) में समस्त सलेबस में से कुल 10 अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।
5. सैक्शन (B) में समस्त सलेबस में से कुल 8 लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 5 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।
6. सैक्शन (C) में समस्त सलेबस में से कुल 4 निबंधात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 2 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

पाठ्यक्रम

यूनिट-1

लहिर हुलारे (कावि संग्रह) - भाई वीर सिंह

यूनिट-2

सूफी खाना (कावि संग्रह) - धनी राम चात्रिक

यूनिट-3

लूणा (कावि संग्रह) - शिव कुमार बटालवी

यूनिट-4

मेरी चोनवी कविता (कावि संग्रह) - प्रो. मोहन सिंह

यूनिट-5

बिरख अरज करे (कावि संग्रह) - सुरजीत पातर

सहायक पुस्तकें :-

1. आधुनिक पंजाबी कावि-धारावां - कर्मजीत सिंह
2. मोहन सिंह दा कावि जगत - सतिन्द्र सिंह नूर
3. शिव कुमार जीवन ते रचना - जीत सिंह सीतल
4. शिव कुमार अंक - पंजाबी दुनिया
5. सुरजीत पात्र जीवन ते रचना - तेजवंत सिंह गिल
6. लहिर हुलारे इक अधिऔन - तेजवंत सिंह गिल
7. साहित संवेदना - अतर सिह
8. आधुनिक पंजाबी कविता का कावि शास्त्र - डा. सुखदेव सिंह

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. (फाईनल) पंजाबी- द्वितीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम - भाषा विज्ञान अते पंजाबी भाषा

नोट- यह सलेबस नियमित एवं स्वयंपाठी (दोनों) विद्यार्थियों के लिए।

कुल पूर्णांक -100, न्यूनतम अंक -36, समय - अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी भाषा में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन व अध्यापन का माध्यम पंजाबी में ही हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का होगा।
4. सैक्शन (A) में समस्त सलेबस में से कुल 10 अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।
5. सैक्शन (B) में समस्त सलेबस में से कुल 8 लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 5 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।
6. सैक्शन (C) में समस्त सलेबस में से कुल 4 निबंधात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 2 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

पाठ्यक्रम

यूनिट-1

भाषा ते भाषा विज्ञान दा सिधांतक अते इतिहासक परिपेख। भाषा, सभ्यचार अते साहित।

यूनिट-2

पंजाबी धुनी विज्ञान- परिभाषा और अधिन सतर, धुनी उच्चारण,
पंजाबी दीयां 'स्वर' अते व्यंजन धुनीयां दी उच्चारणी संरचणा। पंजाबी भाषा दी धुनी वियोंत,
पंजाबी विच स्वरां अते व्यंजनां दे वरतों नेम ।

यूनिट-3

व्याकरण प्रवरग अते कारज: लिंग, वचन, कारक, काल, अकरमकता अते सकरमकता,
पंजाबी वाक विज्ञान:- वाक संरचना, वाक, वाक्श अते उपवाक, पंजाबी दे नांव अते क्रिया,
वाकंशां दी बनतर, वाक रूपांतरण, मिश्रित वाक

यूनिट-4

पंजाबी अर्थ विज्ञान:- अर्थ दा संकल्प, पंजाबी शब्दावली दी अर्थमूलक संरचना,
समनार्थक, विरोधार्थक, बहुर्थक, समूहर्थक शब्द ।

यूनिट-5

भाषा ते उपभाषा:- पंजाबी दीयां उपभाषावां, भाषा परिवार ते भारती आरिआई भाषा परिवार,
पंजाबी भाषा दा निकास ते इतिहास। गुरमुखी लिपि दा जन्म ते विकास,
पंजाबी धुनियां ते गुरमुखी लिपि, सुर अते गुरमुखी लिपि।

सहायक पुस्तकें :-

1. भाषा विज्ञान अते पंजाबी भाषा - हरकीरत सिंह
2. भाषा विज्ञान : संकल्प ते दिशावां - जोगिन्द्र सिंह पवार
3. गुरमुखी लिपि दा जन्म ते विकास - जी.बी.सिंह
4. पंजाबी भाषा दा विकास - काला सिंह बेदी
5. सिधांतक भाषा विज्ञान - डा. प्रेम प्रकाश सिंह
6. पंजाबी भाषा दा व्याकरण - दुनी चन्द्र

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. (फाईनल) पंजाबी- तृतीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम - पंजाबी सभ्याचार, लोकधारा अते लोक साहित

नोट- यह सलेबस नियमित एवं स्वयंपाठी (दोनों) विद्यार्थियों के लिए।

कुल पूर्णांक -100, न्यूनतम अंक -36, समय - अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी भाषा में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन व अध्यापन का माध्यम पंजाबी में ही हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का होगा।
4. सैक्शन (A) में समस्त सलेबस में से कुल 10 अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।
5. सैक्शन (B) में समस्त सलेबस में से कुल 8 लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 5 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।
6. सैक्शन (C) में समस्त सलेबस में से कुल 4 निबंधात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 2 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

पाठ्यक्रम

यूनिट-1

सभ्याचार दी प्रकृति ते विशेषतावां- पंजाबी सभ्याचार दी इतिहासक रूप रेखा

यूनिट-2

लोकधारा दी प्रकृति ते विशेषतावा- लोक मन, लोक-रूड़ीयां ते लोक विश्वास पंजाबी लोक साहित रूपां दी रूप रचना- सुहाग, घोड़ी, सिठनी, टप्पा, लम्मी बोली, ढोला, माहीया, कीरना, अखान, मुहावरे ते बुझारतां दे विशेष हवाले नाल

यूनिट-3

ज्ञानी गुरदित सिंह दी रचना- “मेरा पिंड" विचों जन्म, विवाह ते मौत,
लोक विश्वास, त्योहार, मेले ते लोक सियानपां दा अधियैन

यूनिट-4

सोहिन्द्र सिंह वंजारा बेदी दी रचना- "बातां मुढ कदीम दीयां" (पहला भाग) विचों पंजाबी लोक कथा रूप, पंजाबी बातां दी सभ्यचारक भूमिका ते सारथकता, पंजाबी बातां दें विषे अते पात्रां दा अधियैन

यूनिट-5

महिन्द्र सिंह रंधावा अते दविन्द्र सत्यार्थी दी रचना- "पंजाबी लोक गीत' विचों
पंजाबी लोक गीतां दी सभ्यचारक भूमिका, वर्गीकरण ते प्रमुख विषे ।

सहायक पुस्तकें:

1. सभ्याचार ते पंजाबी सभ्याचार - गुरबख्श सिंह फरैंक
2. लोक-कावि दी संरचना प्रक्रिया - डा. नाहर सिंह
3. पंजाबी लोकधारा विश्वकोष जिलद 1 से 8 - वंजारा बेदी
4. पंजाबी सभ्याचार पछान चिन्ह - जसविन्द्र सिंह
5. लोकधारा अंक - खोज पत्रिका
6. पंजाब दा लोक विरसा - करनैल सिंह थिन्द

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. (फाईनल) पंजाबी- चतुर्थ प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम - पंजाबी नाटक अते मंच

नोट- यह सलेबस नियमित एवं स्वयंपाठी (दोनों) विद्यार्थियों के लिए।

कुल पूर्णांक -100 न्यूनतम अंक -36 समय - अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी भाषा में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन व अध्यापन का माध्यम पंजाबी में ही हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का होगा।
4. सैक्शन (A) में समस्त सलेबस में से कुल 10 अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।
5. सैक्शन (B) में समस्त सलेबस में से कुल 8 लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 5 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।
6. सैक्शन (C) में समस्त सलेबस में से कुल 4 निबंधात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से 2 प्रश्न हल करने आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

पाठ्यक्रम

यूनिट-1

पंजाबी नाटक ते मंच - सिधांत ते प्रवृतियां

यूनिट-2

कल अज ते भलक (नाटक)- हरचरण सिंह

यूनिट-3

लंमे समय दा नरक (नाटक)- हरसरन सिंह

यूनिट-4

कणक दी बली (नाटक)- बलवंत गारगी

यूनिट-5

सत बगाने (नाटक)- अजमेर औलख

सहायक पुस्तकें :-

1. नाटककार बलवंत सिंह गारगी - धर्मपाल सिंगल
2. नाटक कला ते होर लेख - हरचरण सिंह
3. अजमेर औलख दी नाट-भूमि - सुखदेव सिंह
4. नाटकी साहित - नवनिन्द्रा बहिल
5. नाटक अंक - खोज दर्पण/ खोज पत्रिका